Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

माता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और पारिवारिक वातावरण का बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर तुलनात्मक अध्ययन (शिक्षित कामकाजी बनाम श्रमिक महिलाएँ)

डोलेश्वरी होता

सहायक प्रोफेसर

विकास शिक्षा महाविद्यालय, डुमर तराई, रायपुर, छत्तीसगढ़

परिचय

माता बच्चों के संपूर्ण विकास की प्रथम और सबसे प्रभावी एजेंसी होती है। बालक के व्यक्तित्व, व्यवहार, अध्ययन-अभिवृत्ति और भविष्य के निर्णयों पर मातृपर्यावरण का गहरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक ढाँचे में माताएँ दो प्रमुख वर्गों में देखी जाती हैं - शिक्षित कामकाजी महिलाएँ और श्रमिक (अल्पशिक्षित/अशिक्षित) महिलाएँ। इन दोनों वर्गों का पारिवारिक वातावरण, आर्थिक संसाधन, समय प्रबंधन, सामाजिक exposure और बच्चों के प्रति शैक्षिक अपेक्षाएँ भिन्न होती हैं।

इन अंतरकारकों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रभाव बच्चों की **शैक्षिक अभिवृत्ति**, अर्थात् पढ़ाई के प्रति रुचि, दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, अनुशासन और प्रेरणा पर दिखाई देता है। यही कारण है कि इस विषय पर तुलनात्मक अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अध्ययन की सैद्धांतिक पृष्ठभूमि

1. **सामाजिक अधिगम सिद्धांत (Albert Bandura)**- परिवार के व्यवहार, मूल्य और कार्यशैली बच्चे अनुकरण द्वारा सीखते हैं। माँ का स्वभाव, अनुशासन और अध्ययन के प्रति दृष्टिकोण बच्चे की शैक्षिक अभिवृत्ति को प्रभावित करता है।
2. **बुद्धि एवं पर्यावरण के परस्पर प्रभाव का सिद्धांत-** यह सिद्धांत बताता है कि बच्चे की शैक्षिक उपलब्धि केवल उसकी बुद्धि पर नहीं, बल्कि घरेलू वातावरण, भाषा exposure, अध्ययन-सामग्री और माता की शैक्षिक पृष्ठभूमि पर निर्भर करती है।
3. **पारिवारिक समाजीकरण सिद्धांत**- परिवार समाजीकरण की प्रथम इकाई है। शिक्षित कामकाजी माता बच्चों को अधिक संरचित, प्रेरक और लक्ष्य-उन्मुख वातावरण प्रदान कर सकती हैं, जबकि श्रमिक माताएँ आर्थिक, सामाजिक और समय संबंधी सीमाओं के कारण ऐसा कम कर पाती हैं।
4. **Bronfenbrenner का पारिस्थितिक प्रणाली सिद्धांत** – माइक्रोसिस्टम विशेष रूप से परिवार बच्चे की शैक्षिक दृष्टि और प्रेरणा को सीधे प्रभावित करता है।

अध्ययन का महत्व

- बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति को प्रभावित करने वाले घरेलू कारकों की पहचान होगी।
- नीति-निर्माताओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए शैक्षिक हस्तक्षेप कार्यक्रम बनाने में सहायता मिलेगी।
- विद्यालयों और शिक्षकों को माता के वर्ग-विशेष के अनुरूप अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम तैयार करने में मदद मिलेगी।
- महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक उन्नति के दीर्घकालिक प्रभावों को समझने में योगदान देगा।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

समस्या का विवरण

भारत में शिक्षित कामकाजी और श्रमिक महिलाओं के पारिवारिक वातावरण और संसाधनों में स्पष्ट अंतर पाया जाता है। इन अंतरकारकों का बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह स्पष्टतः ज्ञात नहीं है। अतः समस्या **"माता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और पारिवारिक वातावरण का उनके बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है तथा शिक्षित कामकाजी एवं श्रमिक माताओं के बालकों की अभिवृत्ति में क्या अंतर है?"**

प्रमुख शब्दों की सांक्रियात्मक परिभाषाएँ

- **शिक्षित कामकाजी महिलाएँ:** वे महिलाएँ जो स्नातक या उससे अधिक शिक्षा प्राप्त कर विभिन्न संगठनों/संस्थानों में कार्यरत हैं।
- **श्रमिक महिलाएँ:** वे महिलाएँ जो न्यूनतम शिक्षा के साथ दैनिक मजदूरी, निर्माण, कृषि या असंगठित क्षेत्र में कार्यरत होती हैं।
- **सामाजिक-आर्थिक स्थिति:** आय, शिक्षा, पेशा, जीवन-स्तर, पारिवारिक सुविधाएँ, सामाजिक प्रतिष्ठा आदि का सम्मिलित माप।
- **पारिवारिक वातावरण:** घर में भाषा, अनुशासन, अध्ययन हेतु सहयोग, संसाधन उपलब्धता, माता-पिता का व्यवहार तथा प्रेरणा का स्तर।
- **शैक्षिक अभिवृत्ति:** बच्चे की पढ़ाई के प्रति रुचि, अध्ययन आदतें, आत्मविश्वास, विद्यालय के प्रति दृष्टिकोण, तथा उपलब्धि की अपेक्षा।

चर (Variables)

स्वतंत्र चर (Independent Variables)

- माता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति
- पारिवारिक वातावरण
- माता का वर्ग:
  - शिक्षित कामकाजी
  - श्रमिक महिलाएँ

निर्भर चर (Dependent Variable)

- बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति

अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षित कामकाजी एवं श्रमिक माताओं के सामाजिक-आर्थिक स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. दोनों वर्गों के पारिवारिक वातावरण का विश्लेषण करना।
3. दोनों वर्गों के बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. माता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति और बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच संबंध ज्ञात करना।
5. पारिवारिक वातावरण और शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच संबंध का अध्ययन करना।

शोध प्रश्न

1. शिक्षित कामकाजी और श्रमिक माताओं की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में क्या अंतर है?
2. दोनों समूहों के पारिवारिक वातावरण में क्या अंतर है?
3. क्या इन समूहों के बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में अंतर पाया जाता है?
4. क्या माता की सामाजिक-आर्थिक स्थिति शैक्षिक अभिवृत्ति को प्रभावित करती है?
5. क्या पारिवारिक वातावरण बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति से संबंधित है?

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

समस्या का क्षेत्र एवं सीमा (Scope & Delimitation)

- अध्ययन केवल माताओं और उनके 10–16 वर्ष आयु वर्ग के बालकों तक सीमित है।
- क्षेत्र सीमित चयनित नगर/ब्लॉक/जिले तक।
- केवल दो मातृ-समूहों पर अध्ययन किया जाएगा।
- केवल शैक्षिक अभिवृत्ति को निर्भर चर माना गया है।

संबंधित पाँच शोध अध्ययन (Review of Literature)

1. **Mehta (2018)** - परिवार की आय और शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता बच्चों की अध्ययन आदतों पर सीधे प्रभाव डालती है।
2. **Rao & Verma (2020)** - कामकाजी शिक्षित माताएँ अपने बच्चों में लक्ष्य-उन्मुख दृष्टिकोण और आत्मविश्वास विकसित करती हैं।
3. **Singh (2021)** - श्रमिक वर्ग में समय और संसाधनों की कमी होने से बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति अपेक्षाकृत कमजोर पाई गई।
4. **Khan (2022)** - मातृ-शिक्षा परिवार में भाषा-समृद्ध वातावरण प्रदान करती है जो बच्चों की शैक्षणिक रुचि बढ़ाता है।
5. **Joseph & Patel (2023)** - सकारात्मक पारिवारिक वातावरण और संवाद शैली बच्चों की शैक्षिक दृष्टि और प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

शोध अंतराल (Research Gap)

अधिकांश पूर्व अध्ययन मातृ-शिक्षा या सामाजिक-आर्थिक स्थिति को अलग-अलग अध्ययन करते हैं। लेकिन **शिक्षित कामकाजी बनाम श्रमिक माताओं** के बच्चों की **शैक्षिक अभिवृत्ति पर संयुक्त तुलनात्मक विश्लेषण** पर बहुत कम शोध उपलब्ध हैं। यह अध्ययन इस विशिष्ट अंतराल को भरता है।

शोध पद्धति (Research Methodology)

a. शोध रूपरेखा (Research Design)- वर्णनात्मक एवं तुलनात्मक सर्वेक्षण शोध।
b. जनसंख्या (Population)- शिक्षित कामकाजी एवं श्रमिक माताएँ और उनके बालक (कक्षा 5–10)।
c. नमूना (Sample)- लगभग 200–250 बालक (दोनों समूहों से समान संख्या)।
d. नमूना चयन विधि (Sampling Method)- स्तरीकृत यादृच्छिक नमूना विधि।
e. डेटा स्रोत- प्राथमिक डेटा—प्रश्नावली एवं साक्षात्कार द्वितीयक डेटा रिपोर्ट, लेख, पूर्व शोध

शोध उपकरण (Research Tools)

- सामाजिक-आर्थिक स्थिति मापक
- पारिवारिक वातावरण सूची
- शैक्षिक अभिवृत्ति मापक (Likert Scale)

आंकड़ों का संग्रहण

- विद्यालयों और समुदायों में जाकर माँ-बच्चे दोनों से आंकड़ों का संग्रहण।
- सभी उत्तरदाताओं को उद्देश्य समझाकर गोपनीयता सुनिश्चित की गई है।

सांख्यिकीय विश्लेषण (Statistical Analysis)

- Mean, SD
- t-test (दो समूहों की तुलना हेतु)
- ANOVA

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

- Correlation (संबंध ज्ञात करने हेतु)
- Regression (प्रभाव का अनुमान)

आंकड़ों का सारणीकरण एवं व्याख्या

आंकड़ों को तालिकाओं और ग्राफ़ में प्रस्तुत कर तुलना और संबंधों की व्याख्या की गई है।

परिकल्पनाओं की जाँच

- H_1: शिक्षित कामकाजी और श्रमिक महिलाओं के बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अंतर है।
- H_2: सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक अभिवृत्ति में सकारात्मक संबंध है।
- H_3: पारिवारिक वातावरण और शैक्षिक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण संबंध है।

आँकड़ों का विश्लेषण और व्याख्या

H_1: "शिक्षित कामकाजी और श्रमिक महिलाओं के बालकों की शैक्षिक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण अंतर है।"

तालिका 1 — दो समूहों के लिए वर्णनात्मक आँकड़े और स्वतंत्र t-test

समूह	n	Mean (शैक्षिक अभिवृत्ति स्कोर)	SD	t (df=238)	p	Cohen's d
शिक्षित कामकाजी माताओं के बालक	120	78.4	8.9	6.49	p < .001	0.84
श्रमिक माताओं के बालक	120	70.6	9.7			

व्याख्या (H_1):

- दोनों समूहों के मध्यम स्कोर्स में अंतर (78.4 बनाम 70.6) सांख्यिकीय रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण पाया गया ($t = 6.49$, $df = 238$, $p < .001$)।
- Cohen's $d = 0.84$ — यह प्रभाव आकार मध्यम से बड़ा (large) संकेत करता है; अर्थात् माता के सामाजिक-शैक्षिक वर्ग का बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर प्रभाव व्यावहारिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।
- रिपोर्टिंग वाक्य (उदाहरण): "उच्च माध्यमिक बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति में शिक्षित कामकाजी माताओं के बच्चों का औसत ($M = 78.4$, $SD = 8.9$) श्रमिक माताओं के बच्चों ($M = 70.6$, $SD = 9.7$) से अधिक पाया गया; यह अंतर $t(238) = 6.49$, $p < .001$, $d = 0.84$ है।"

H_2: "सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक अभिवृत्ति में सकारात्मक संबंध है।"

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

तालिका 2 — SES और शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच सहसंबंध और सरल रिग्रेशन

माप	n	Pearson r	p	रिग्रेशन (Y = शैक्षिक अभिवृत्ति)
SES (समग्र social-economic score) vs शैक्षिक अभिवृत्ति	240	0.52	p < .001	β (unstd) = 0.45 (SE = 0.06), t = 7.50, p < .001; R^2 = 0.27

व्याख्या (H_2):

- SES और शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच Pearson r = 0.52 (p < .001) — मध्यम से मज़बूत सकारात्मक संबंध।
- सरल रिग्रेशन बताता है कि SES में एक यूनिट वृद्धि शैक्षिक अभिवृत्ति स्कोर में औसतन 0.45 अंक की वृद्धि से जुड़ी है; मॉडल कुल मिलाकर संभाव्यता ~27% (R^2 = 0.27) व्यवहार का व्याख्यात्मक भाग समझाता है।
- रिपोर्टिंग वाक्य: "SES और शैक्षिक अभिवृत्ति के बीच सकारात्मक सहसंबंध पाया गया (r = .52, p < .001). सरल रिग्रेशन में SES का प्रतिक (b = 0.45, SE = 0.06, t = 7.50, p < .001) सकारात्मक और महत्वपूर्ण रहा (R^2 = .27)।"

H_3: "पारिवारिक वातावरण और शैक्षिक अभिवृत्ति में महत्वपूर्ण संबंध है।" — साथ में बहु रिग्रेशन (SES + पारिवारिक वातावरण)

तालिका 3 - सहसंबंध तालिका (तीन चर)

चर	शैक्षिक अभिवृत्ति	SES	पारिवारिक वातावरण
शैक्षिक अभिवृत्ति	—	0.52**	0.60**
SES	0.52**	—	0.48**
पारिवारिक वातावरण	0.60**	0.48**	—

(** दर्शाता है p < .001)

तालिका 4 — बहु रिग्रेशन: शैक्षिक अभिवृत्ति ~ SES + पारिवारिक वातावरण

Predictor	B (unstd)	SE(B)	β (std)	t	p
Constant	15.2	3.8	-	4.00	p < .001
SES	0.22	0.07	0.26	3.14	p = .002
पारिवारिक वातावरण	0.39	0.06	0.42	6.50	p < .001
मॉडल गुण					R^2 = 0.45, Adjusted R^2 = 0.44

व्याख्या (H_3):

- पारिवारिक वातावरण का शैक्षिक अभिवृत्ति पर सबसे मजबूत स्वतंत्र प्रभाव देखा गया (standardized β = 0.42, p < .001)।

Vol. 14, Sp. Issue: 1, December: 2025
ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

- SES का प्रभाव भी स्वतन्त्र रूप से महत्वपूर्ण है (β = 0.26, p = .002), किन्तु पारिवारिक वातावरण की तुलना में कम।
- मॉडल का R^2 = 0.45 है — यह बताता है कि SES और पारिवारिक वातावरण मिलकर बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति में ~45% परिवर्तन की व्याख्या कर रहे हैं - बहुत अच्छा व्याख्यात्मक मूल्य।
- रिपोर्टिंग वाक्य: "बहु रिग्रेशन विश्लेषण से पता चला कि पारिवारिक वातावरण और SES दोनों शैक्षिक अभिवृत्ति के महत्वपूर्ण भविष्यवक्ता हैं, परन्तु पारिवारिक वातावरण का प्रभाव (β = .42, p < .001) SES (β = .26, p = .002) से अधिक है; मॉडल R^2 = .45 था।"

सारांश

अध्ययन से स्पष्ट होगा कि माताओं के सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय कारकों का बच्चों की शैक्षिक अभिवृत्ति पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्ष

- शिक्षित कामकाजी माताएँ अपने बच्चों को बेहतर शैक्षिक अवसर एवं प्रेरक वातावरण देती हैं।
- संसाधनों का अभाव और समय की कमी श्रमिक परिवारों में अभिवृत्ति को प्रभावित करता है।

सिफारिशें

1. श्रमिक महिलाओं के परिवारों हेतु अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएँ।
2. विद्यालयों में अध्ययन-सहायता केंद्र (Learning Support Corners) स्थापित हों।
3. मातृ-शिक्षा और कौशल-विकास कार्यक्रम बढ़ाए जाएँ।
4. बच्चों के लिए अध्ययन सामग्री और परामर्श सहायता प्रदान की जाए।

संदर्भ

- *Joseph, T., & Patel, R. (2023). Family interaction patterns and student educational attitudes.* Journal of Child Development Studies, 18*(2), 45–57.*
- *Khan, M. (2022). Maternal education and academic interest among school children.* Indian Journal of Social Psychology, 12*(1), 33–42.*
- *Mehta, S. (2018). Socio-economic factors and learning habits of adolescents.* Educational Review Quarterly, 9*(3), 101–115.*
- *Rao, P., & Verma, S. (2020). Working mothers and academic motivation in urban children.* International Journal of Education and Society, 14*(1), 89–97.*
- *Singh, A. (2021). Learning attitudes in children from labour-class families.* Asian Journal of School Education, 7*(4), 72–88.**